सेमेस्टर II

हिन्दी शिक्षण '7 A'

Unit II: भाषिक योग्यताओं का विकास

1. श्रव्य - दृश्य एवं मौखिक अभिव्यक्ति कौशल का विकास

a. भाषायी कौशलों का विकास
b. भाषायी कौशलों का महत्व
c. भाषा के कौशल
d. श्रवण उद्देश्य एवं अपेक्षित व्यवहारगत परिवर्तन
e. श्रवण कौशल के लिए श्रव्य सामग्री का प्रयोग
f. भाषायी कौशल - उच्चारण या बोलने का कौशल
g. मौखिक अभिव्यक्ति की आवश्यकता

2. पठन - योग्यता का विकास

a. पठन एवं वाचन शिक्षण कौशल
b. विद्यालय में हिन्दी शिक्षक द्वारा सस्वर वाचन एवं मौन-वाचन के अवसर
c. सस्वर वाचन व मौन वाचन में अन्तर
d. वाचन शिक्षण की विधियाँ
e. वाचन के लिए ध्यान देने योग्य बातें
f. उच्चारण के भेद

3. लिखित अभिव्यक्ति क्षमता का विकास

a. लेखन कौशल
b. लेखन शिक्षण की आवश्यकता
c. लेखन कौशल का महत्व
d. लेखन शिक्षण का समय
e. हिन्दी भाषा की लिखित शिक्षा
f. लिखित अभिव्यक्ति की शिक्षण विधियाँ
g. शुद्ध लेखन तत्व

By. Dr. Asha Kumari Gupta

Scanned with CamScanner

लेखन शिक्षण का समय—लेखन शिक्षण पर विद्वानों के मत निम्नानुसार हैं—

(1) श्रीमती मॉन्टेसरी के अनुसार लिखाई का कार्य पढ़ाई के पूर्व शुरू होना चाहिये, क्योंकि लिखाई पढ़ाई की अपेक्षा सरल है।

(2) दूसरे विद्वान इस पक्ष में हैं कि लिखाई के पूर्व पढ़ाई की शिक्षा दी जानी चाहिए।

(3) तीसरे मतानुसार पढ़ाई व लिखाई दोनों साथ-साथ चलती रहनी चाहिए।

यहाँ अधिकतर विद्वान तीसरे मत से ही सहमत हुए कि लिखाई व पढ़ाई दोनों एक साथ सिखाने पर बल देता है। यदि इस पर गहनता से अध्ययन करें तो दोनों मानसिक क्रियाएँ एक साथ नहीं चल पाती हैं। इनमें कुछ-न-कुछ समयान्तर अवश्य होना चाहिये। पढ़ाई व लिखाई को शिक्षा साथ-साथ दी जा सकती है। इस अर्थ में पढ़ाई-लिखाई की शिक्षा पूर्व में दी जाय। केवल इनका ध्यान अवश्य रखा जाय कि विषय पढ़ाने की निर्धारित अवधि में ही दोनों कार्य प्रतिदिन सम्पन्न होते चले जाएँ। लिखना कब सिखाया जाय ? इस प्रश्न का एक दूसरा पक्ष बालक की आयु से सम्बन्धित है। यहाँ यह मान्यता है कि पाँच-छः वर्ष के बालक में इतना विकास हो जाता है कि वह लिखना सीख सके।

लिखना सीखते से पूर्व छात्र कुछ रेखाएँ खींचने का अभ्यास करें। स्वतन्त्र रूप से बालक इच्छानुसार रेखाएँ खींचें, जिससे उसकी माँसपेशियाँ दृढ़ हों ओर वह लिखने के लिए तैयार हो जायें इन टेढ़ी-मेढ़ी लकीरों के माध्यम से वह अक्षर बनाना सीखता है।

Scanned with CamScanner